मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 19 दिसम्बर 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	19-12-14	20-12-14	21-12-14	22-12-14	23-12-14
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	26	25	25	24	24
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	10	10	9	9	9
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	6	5	4	3	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	58	56	54	52	41
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	26	24	22	20	18
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	6	6	4	8	10
हवा की दिशा	पूर्व–उत्तर–पूर्व	पूर्व	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	उत्तर–उत्तर–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

बादल छाए रहनें के कारण सरसों की फसल में सफेद रोली रोग के प्रकोप की सम्भावना अधिक रहती है। यह एक फफूँद जनित रोग है। इसकी रोकथाम के लिए मैटालेक्सिल 8 प्रतिशत व मैंकोजेब 64 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. का 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

जीर की फसल में छाछया रोग का प्रकोप होने पर पौधे की पत्तियों पर सफेद चूर्ण की तरह दिखाई देने लगता है। इसके नियत्रण के लिए प्रति हैक्टेयर 25 किलो ग्राम गंधक के चूर्ण का भुरकाव करें।

गेहूँ की फसल में 60 किलो ग्राम नाइटोजन प्रति हैक्टेयर की दर से दूसरी सिंचाई के समय डाले।

सिंचाई उपलब्ध हो तो सरसों में फली भरते समय (बुवाई के 70–80 दिन बाद) अवश्य सिंचाई करें।

जीरे की फसल में मोयला कीट का प्रकोप दिखाई देने पर डाइमिथोएट 30 ई.सी. या मेलाथियान 50 ई.सी. 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

सर्दी में पशुओं को ऊर्जा की आवश्यकता अधिक होती है, अतः भोजन में चारे–बांटे की मात्रा बढ़ाएं व लवण–मिश्रण भी दें।

रात्री के समय पशुओं के नवजात शिशुओं को ठण्ड से बचाने के समुचित प्रवन्ध करें व बिछावन को सुखा रखें।